रजिस्ट्रेशन संख्या :— R.N.I. 36355 / 79
डाक पंजीकरण संख्या :— के पी सिटी— 67 / 2021—23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा—विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

मेरा भारत महान

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :—
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर—208014
सम्पर्क सूत्र :— 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष — 45 ● अंक — 15 ● कानपुर 1 से 15 अगस्त 2023 ● प्रधान सम्पादक — डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी सफ़लता की ओर अग्रसर

इहमाई के 46वें स्थापना दिवस पर विशेष

शासकीय मूल्यांकन होना आवश्यक है

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कदम लगातार सरकारी संरक्षण की तरफ़ बढ़ रहे हैं और जो काम वर्षों में संभावित था वह काम अब कभी भी हो सकता है, इस कार्य के लिए उन सभी लोगों को साधुवाद जिनका विश्वास और श्रद्धा इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ी रही है और उसी का परिणाम है कि हमारे साथियों की वर्षों की प्रतीक्षा का समय अब समाप्त होने की कगार पर है, यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के 46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के अध्यक्ष डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने कहा कि आज से 46 वर्ष पूर्व अर्थात वर्ष 25 जुलाई, 1978 में जब इस संगठन की स्थापना हुई थी तब यह कल्पना भी नहीं की गयी थी कि आने वाले दिनों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इस संगठन को इतने बड़े दायित्व को निभाने का अवसर प्राप्त होगा, अनेकों उतार चढ़ाव के पश्चात इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को ज़िन्दा रखा और लगातार राज्य और केन्द्र सरकार पर इस बात का दबाव डाला कि अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भाँति इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को भी शासकीय संरक्षण दिया जाये, जिससे कि इस विधा से जुड़े चिकित्सकों का मनोबल ऊँचा हो और उनके कार्यों का उचित मूल्यांकन हो, निःसन्देह यह चिकित्सा पद्धति गुणकारी और लाभकारी है और इस विधा के चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं, कार्य करते हुए समाज को लाभ भी पहुँचा रहे हैं परन्तु किसी शासकीय मूल्यांकन इकाई के गठित न होने के कारण हमारे चिकित्सकों को उनकी योग्यता का पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यद्यपि 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय का एक महत्वपूर्ण आदेश जारी होने से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को एक स्वतन्त्र नियामक संगठन का स्तर प्राप्त हो गया है, इसी के साथ पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा व अनुंसधान के अवसर भी प्रदान किये गये हैं परन्तु अभी भी पूर्ण संरक्षण की आवश्यकता है इस हेतु (EHMAI)इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया लगातार भारत सरकार के सम्पर्क में है, पत्र व्यवहार व व्यक्तिगत सम्पर्क के माध्यम से अपनी बात कही गयी 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार ने जो पत्र जारी किया वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सकारात्मक रूख अपनाये हुए है और हम इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि आने वाले कुछ दिनों में ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय होंगे, जिसमें इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निर्णायक भूमिका में होगी, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महासचिव डा0 अतीक अहमद ने कहा कि वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हो रही है अब हम सब को सुखद दिनों के आनन्द का अवसर मिलने वाला है, यही वह समय है जब हम सबको अपने निर्णयों पर विशेष ध्यान देना होगा और सिर्फ़ पैथी हित के लिए ही सोचना होगा डा0 अतीक अहमद ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के गठन और उसकी स्थापना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अलग अलग चिकित्सकों को एक सूत्र में बांधने व उनके अधिकारों को दिलाने के उद्देश्य से इस संगठन का गठन किया गया था जब यह संगठन अस्तित्व में आया था तब शायद किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि आने वाले दिनों में यही एक मात्र ऐसा संगठन होगा जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दिशा और दशा बदलने में निर्णायक भूमिका का निर्वाहन करेगा, हम आज स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उन सभी साथियों को धन्यवाद ज्ञापित करना नहीं भूलेंगे जिनका सहयोग और समर्थन हमें प्राप्त होता रहा है और अपने चिकित्सक साथियों का भी धन्यवाद जो हर स्थिति में हमसे जुड़े रहे यह सब आपके प्यार का परिणाम है जो एक संगठन के रूप में आपके सामने है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी का ही है डा0 अतीक ने कहा कि अब वह समय आने वाला है जब हम सबको अपने अपने दायित्वों का पालन ईमानदारी के साथ करना होगा।

कार्यक्रम को विचार देते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संगठन मंत्री डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि संगठन का काम सबसे कठिन होता है, हर एक के विचारों से तालमेल बैठाना बहुत मुश्किल होता है परन्तु आप सबके सहयोग से मैं अपने आपको धन्य मानता हूँ कि इतने विशाल संगठन में कहीं मतभेद नहीं है और यही एकजुटता हमें कार्य करने के लिए प्रेरणा देती है, मैं आभारी हूँ अपने संगठन के अध्यक्ष जी का जिन्होंने हम पर भरोसा किया और इतना महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा, आज हमें प्रसन्नता है कि इस 46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर हम कह सकते हैं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का है, जिस गति से सरकारी कार्यवाही चल रही है वह इस बात का संकेत दे रही है कि प्रतीक्षा की घड़ियां बीत चुकी हैं और एक सुखद स्थिति की ओर हम बढ़ रहे हैं।

संगठन की कोषाध्यक्ष श्रीमती शहीना इदरीसी ने कहा कि कोष को सम्भालने में मुझे उतनी खुशी नहीं हुई जितनी आज हो रही है कि आने वाले समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सफ़लता मिलने वाली है और इस सफ़लता का श्रेय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को है, इस सफ़लता की जो पूंजी है वह सारे कोषों से बहुत ऊपर है, मैं उन सब साथियों को बधाई देना चाहती हूँ जिनके स्नेह से आज हम इस स्थिति तक पहुँचे, स्थापना दिवस के इस अवसर पर मै डा0 इदरीस खान साहब (केन्द्रीय सचिव) को धन्यवाद देना नहीं भूलूंगी जिनके अन्दर अस्वस्थता और आयु के प्रभाव के बावजूद भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति प्रेम कम नहीं हो रहा है, मैं डा0 इदरीसी से भी निवेदन करना चाहूंगी कि वह आन्दोलन को और गति प्रदान करें क्योंकि सारा भारत आपकी तरफ़ देख रहा है।

इसी क्रम में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के राष्ट्रीय महासचिव डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी (स्मृति शेष) का भी स्मरण किया गया।

जब लक्ष्य करीब आता दिख रहा हो तब उस समय हर कदम बहुत समझबूझ कर उठाना होता है, यह सौभाग्य है कि मतभिन्नता होने के उपरान्त भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शासकीय संरक्षण के मामले पर पूरे राष्ट्र में मतैक्यता दिखायी पड़ रही है और यही इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विजय का मूल आधार है, 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की एक ही आवाज आ रही है और वह आवाज़ है कि **हम एक हैं**।

आज के दिन की आप सबको बधाई इस अपेक्षा के साथ कि आने वाला समय हम सबके लिए आनन्द दायक है, कार्यक्रम में मुख्य रुप से डा0 राम अवतार कुशवाहा, श्री ज़फ़र इदरीसी ने अपने अपने विचारों को व्यक्त किया, कार्यक्रम में सर्वश्री अनुज शुक्ला, शुभम एवं नसीम आदि उपस्थित थे।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (EHMAI) के 46 वे स्थापना दिवस के अवसर पर इहमाई की उपलब्धियां बताते हुये डा0 एम0 एच0 इदरीसी

मान्यता तक नहीं रुकेगा विकास का पहिया

केवल उत्तर प्रदेश की बात न करके यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से नजर आती है कि विकास का जो बहाव वास्तविक होना चाहिये वह नहीं हो रहा है यह हम सब के लिये सोचने का विषय है इन्हीं सब बिन्दुओं पर चिन्तन करने के बाद बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने यह निणर्य लिया है कि शीघ्र ही ऐसा कोई नीतिगत निर्णय लिया जाये जिसपर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास हो सके।

यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित करना है तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक न रहकर सर्वसमाज को मिले कहने को तो कहा जाता है कि जितने भी आसाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है जैसा कि कहा जाता है उसके अनुसार यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है परन्तु जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या बहुत सीमित है, किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो, हमें याद करना चाहिये कि आज से 40–50 साल पहले जब होम्योपैथी का इतना प्रसार नहीं हुआ था तब जगह जगह पर इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक रोगियों को स्वतः औषधियों को सेवन करने के लिए प्रेरित करते थे चूंकि मामला जीवन से जुड़ा होता है इसलिए कोई भी व्यक्ति आसानी से किसी भी औषधि को स्वीकार नहीं करता है तब उसे यह बताया जाता था कि यह औषधियां यदि लाभ नहीं करेंगी तो हानि भी नहीं करेंगी, आज युग बदल चुका है हर क्षेत्र में ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है, चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े कान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो इस चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कार्य होना चाहिये हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को पहचानना होगा और दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य संस्कृति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, लेकिन जो संतुलित और समन्वित विकास होना चाहिये वह नहीं हो पा रहा है।

यह कटु सत्य है कि 2003 से 2011 तक का काल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये बहुत कठिन रहा लेकिन जिस सूझ–बूझ से इलेक्ट्रो होम्योपैथी में E.H.M.A.I. ने इस चिकित्सा पद्धति को कार्य करने का एक अवसर दिलाया है तो हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इस प्राप्त अवसर का भरपूर लाभ उठायें जो बीत गया उस पर ही चर्चा करने से अच्छा है कि आगे की सोचें, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है, जो चिकित्सक अपने चिकित्सा व्यवसाय में केवल इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति व्यवहार में ला रहे हैं उन्हें आशातीत सफ़लता प्राप्त हो रही है एवं परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं, इन प्राप्त परिणामों से चिकित्सकों में उत्साह का भाव भी जागृत हुआ है।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने भी योजना बनाई है कि विद्यालयों में जो अध्यापक अध्यापन कर रहे हैं उन्हें रिफ्रेशर कोर्स कराया जाये जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हो रही नवीन जानकारियों से वे अपडेट हो सकें ताकि छात्रों को बिलकुल नवीन शोधों एवं जानकारियों से अवगत करा सकें, जब–जब मान्यता की बात उठाकर आन्दोलन की बात चिकित्सकों से की जाती है तो हर चिकित्सक को यह समझाया जायेगा कि केन्द्र सरकार मान्यता निश्चित रुप से देगी, कार्य संस्कृति बड़ी तेजी के साथ बदल रही है, हम आश्वस्त हैं कि धीरे– धीरे हमारी यह श्रंखला बहुत बड़ी और मज़बूत होगी तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी चुनौती को आसानी से स्वीकार कर लेगी, जब–जब नये शोधों की बात होती है तब हम गर्व से कह सकते हैं कि हमने भी इस क्षेत्र में कार्य किये हैं तथा हमारे पास जो परिणाम हैं उन्हें भारत सरकार द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति (I.D.C.) के समक्ष प्रस्तुत भी किया है।

हमारे पास किसी भी प्रकार का कोई सरकारी अनुदान नहीं आता है इसके उपरान्त भी हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथ निजी संसाधनों के बल पर शोध कार्य में लगे हुये हैं, शोधार्थियों को परिणाम भी अच्छे मिल रहे हैं यदि सरकार का थोड़ा सहयोग और समर्थन मिल जाये तो हमारे शोधार्थी किसी से कम उपयोगी नहीं रहेंगे, सरकार के सहयोग और समर्थन के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निरन्तर प्रयासशील है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 46 वां स्थापना दिवस अन्य संस्थानों में भी सहर्षोल्लास मनाया गया

समाचार पेज 3 पर

46 वाँ स्थापना दिवस समारोह अयोध्या के ज़िला प्रभारी **EH** डा0 सैयद तुफ़ैलुररहमान ने भी आयोजित किया

46 वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाते हुये उन्नाव के ज़िला प्रभारी **EH** डा0 गौरव द्विवेदी –छाया गज़ट

46 वाँ स्थापना दिवस समारोह कुछ इस प्रकार फतेहपुर के ज़िला प्रभारी **EH** डा0 वकील अहमद द्वारा मनाया गया –छाया गज़ट

EHMAI का 46 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

फतेहपुर– दिनांक 25 जुलाई 2023 दिन मंगलवार को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के जनपद कार्यालय फतेहपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 46वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, पूर्व सुबेदार हाजी अनीस उल्ला सिद्दीकी ने डॉ0 काउन्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करके कार्यक्रम को शुरू किया।

A.E.H. Medical institute के कैम्पस में प्राचार्य EH डा0 पी0 एन0 कुशवाहा द्वारा 46वां स्थापना दिवस कुछ इस प्रकार आयोजित किया गया।

जिला प्रभारी इलेक्ट्रो होम्योपैथी डॉ0 वकील अहमद ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की पहले जैसी स्थिति अब नही है, अब स्थितियां बहुत बदल चुकी हैं भारत सरकार के आदेशानुसार अब चिकित्सा व शिक्षा में कोई रोक नही है, डॉ0 अहमद ने कहा कि सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक रजिस्ट्रेशन व ज़िला पंजीयन कराने के बाद ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी से प्रैक्टिस करें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सक ऐसा कोई भी कार्य न करें जो बोर्ड और शासन की मंशा के अनुरूप न हो, इस अवसर पर श्री कृष्ण आदर्श विद्या मन्दिर दिव्यांग आवासीय विद्यालय खम्भापुर के छात्रावास अधीक्षक श्री मनीष कुमार यादव, मनीष कुमार, राज करन, अनुज कुमार, कल्लू, इमरान खान आदि गणमान्य नागरिक मौजूद थे, जिला प्रभारी डॉ0 वकील अहमद ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया।

वलीदपुर, मऊ– वलीदपुर स्थित वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेंटर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 46वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रभारी अधिकारी डॉ0 अयाज अहमद ने की, डॉ0 अयाज अहमद ने बताया कि 25 जुलाई 1978 को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की स्थापना डॉ0 मोहम्मद हाशिम इदरीसी ने कानपुर में की थी, 1978 से लगातार यह संगठन कार्यरत है, ज्ञातव्य हो कि इसी संगठन के प्रयासों से 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसके अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा अनुसंधान एवं विकास करने पर कोई रोक नही है, यह आदेश सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों पर प्रभावी है, इसी कारण प्रतिवर्ष 21 जून को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, इसी आदेश के अनुपालन में उ0प्र0 शासन के चिकित्सा अनुभाग 6 द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया गया था, देश एवं प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ही एक मात्र ऐसा संगठन है जिसे स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त है, इस आयोजन में डॉ0 अयाज अहमद, डॉ0 मोहम्मद सलमानी, डॉ0 मो0 शाहिद, डॉ0 अबुलकैश, डॉ0 नंदलाल, डॉ0 नसीम अख्तर आदि मौजूद थे।

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के उप प्राचार्य डा0 आशुतोष कपूर।

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 46वां स्थापना दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया, सर्व प्रथम ज़िला अध्यक्ष डॉ0 पी0 एन0 कुशवाहा ने डॉ0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, डा0 कुशवाहा ने कहा कि 3 जुलाई, 2019 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा अनुसंधान एवं विकास करने पर कोई रोक नही है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन के प्रयास से ही 21 जून, 2011 को सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किया गया है, इसकी पुष्टि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अपने आदेश 21 दिसम्बर, 2017 में की है, ज़िला पंजीकरण अधिकारी डॉ0 रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि जो भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक प्रैक्टिस कर रहे हैं वे पंजीकरण करा कर निर्भीक होकर प्रेक्टिस करें, डलमऊ ब्लॉक के कैम्प प्रभारी डॉ0 राजेन्द्र सिंह ने जोर देकर कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सा शिविर अधिक से अधिक आयोजित कर जनता को इस हानि रहित चिकित्सा पद्धति से रोगियों को रोग मुक्त करने में तेज गति से कार्य करें, इसी क्रम में डॉ0 लालताराम पाल, डॉ0 राम आसरे मौर्य, डॉ0 श्रद्धा मौर्य, डॉ0 साधना, डॉ0 रामचन्द्र, डॉ0 संतलाल, डॉ0 सौरभ आदि ने अपने अपने विचार रखे, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 त्रिलोक सिंह व संचालन सत्यपाल वर्मा ने किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर निःशुल्क कैम्प भी लगा

रायबरेली–इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया शाखा जनपद रायबरेली के द्वारा 164 वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर जगलपुर ब्लाक के गदागंज ग्राम देवगॉव मजरे धूता में ब्लाक प्रभारी डा0 सुनील कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया चिकित्सा शिविर के प्रभारी अधिकारी सुनील कुमार मौर्या ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि अधिक से अधिक संख्या में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाए, क्षेत्र पंचायत सदस्य व चिकित्सा शिविर के प्रभारी अधिकारी डा0 सत्यपाल वर्मा ने कहा कि निःशुल्क चिकित्सा शिविर से जनमानस में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का प्रचार प्रसार होता रहेगा।

चिकित्सा शिविर में विशेष योगदान देने वाले चिकित्सक सौरभ कुशवाहा, श्रद्धा मौर्या, डा0 शुभम वर्मा, डा0 संतलाल, डा0 रामपाल आदि उपस्थित थे अन्त में डा0 राम विशाल मौर्या ने उपस्थित चिकित्सकों तथा उपस्थित जनमानस को धन्यवाद देते हुए सायं 6 बजे चिकित्सा शिविर का समापन किया।

EH डा0 पी0 के0 राघव पर्यवेक्षक मेरठ मण्डल फीता काट कर उदघाटन करते हुये साथ में मेरठ ज़िला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारी EH डा0 सुमित कुमार शर्मा

वलीदपुर, जनपद मऊ के प्रभारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अधिकारी EH डा0 अयाज़ अहमद 46वें स्थापना दिवस पर अपने सहयोगियों के साथ – छाया गज़ट

जनपद हमीरपुर के अभ्यागत शिक्षक EH डा0 देवानन्द सागर, प्रभारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अधिकारी EH डा0 गणेश सिंह एवं अन्य 46वें स्थापना दिवस पर समारोह में देखे जा सकते हैं। –छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी घोषित

कार्यालय सक्षम / निर्वाचन अधिकारी
बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्या0 : 127 / 204 "एस" जूही, कानपुर–208014
email: registrarbehmup@gmail.com

पंत्राक – 872 / बी0ई0एच0एम0 / 2023–24 दिनांक 17–07–2023

अधिसूचना

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की नियमावली की धारा 7(a) के अधीन निम्न को बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी का सदस्य नामित किया जाता है–

1– मो0 हाशिम इदरीसी
2– डा0 ओम शंकर मिश्रा
3– डा0 संजय कुमार द्विवेदी
4– डा0 आमिर बिन साबिर

शाहीना
शाहीना इदरीसी
सक्षम अधिकारी
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–
1– समस्त नामित सदस्य
2– सचिव, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

कार्यालय सक्षम / निर्वाचन अधिकारी
बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्या0 : 127 / 204 "एस" जूही, कानपुर–208014
email: registrarbehmup@gmail.com

पंत्राक – 873 / बी0ई0एच0एम0 / 2023–24 दिनांक 17–07–2023

अधिसूचना

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की नियमावली की धारा 7(b) के अधीन निम्न को बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी का शिक्षक सदस्य शिक्षक सदस्य निर्वाचित किया जाता है–

1– डा0 के0 सी0 सिंघल
2– डा0 प्रताप नारायण कुशवाहा

शाहीना
शाहीना इदरीसी
सक्षम / निर्वाचन अधिकारी
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–
1– समस्त निर्वाचित सदस्य
2– सचिव, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी एवं I.D.C. Purposalist Committee के चेयरमैन पश्चिम बंगाल से आये हुये डा0 ए0 पी0 मौर्या ने वर्तमान इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति पर गहन चर्चा की जिसमें महाराष्ट्र राज्य पर विशेष रुप से विचार विमर्श किया गया।

कार्यालय सक्षम / निर्वाचन अधिकारी
बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्या0 : 127 / 204 "एस" जूही, कानपुर–208014
email: registrarbehmup@gmail.com

पंत्राक – 874 / बी0ई0एच0एम0 / 2023–24 दिनांक 17–07–2023

अधिसूचना

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की नियमावली की धारा 7(c) के अधीन निम्न मण्डलों के प्रत्येक क्षेत्र से बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध कमेटी का चिकित्सक सदस्य निर्वाचित किया जाता है–

1– आगरा, अलीगढ़, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद एवं बरेली – डा0 राकेश शर्मा
2– लखनऊ, फैज़ाबाद देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगढ़ – डा0 अयाज़ अहमद
3– कानपुर, प्रयागराज, विंध्याचल, वाराणसी, चित्रकूट एवं झांसी – डा0 नरेन्द्र भूषण निगम

शाहीना
शाहीना इदरीसी
सक्षम / निर्वाचन अधिकारी
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–
1– समस्त निर्वाचित सदस्य
2– सचिव, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया
भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आदेश प्राप्त देश की एक मात्र संस्था
पाक्षिक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी / 22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9 / 1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।